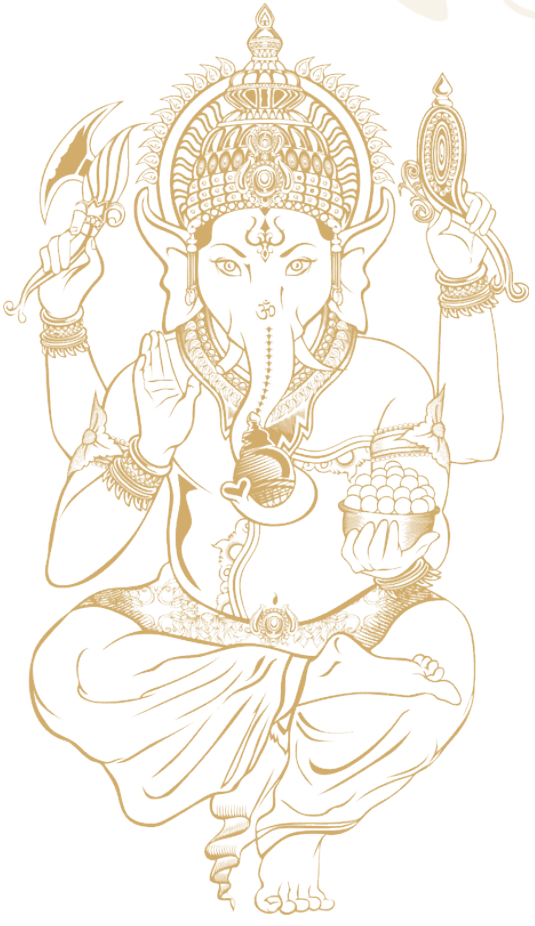

Sujeet Kr Gupta

02 Mar 2026

12:40 PM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121456313

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:40:00 घंटे**
इष्ट	15:49:17 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:42:40 घंटे
वेलान्तर	-00:12:09 घंटे
साम्पातिक काल	23:23:02 घंटे
सूर्योदय	06:20:17 घंटे
सूर्यास्त	17:59:05 घंटे
दिनमान	11:38:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:29:04 कुम्भ
लग्न के अंश	08:30:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:30:37	327:26:50	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	17:29:04	01:00:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	02:43:43	13:35:32	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	05:32:33	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	27:04:24	00:36:29	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:59:27	00:01:44	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	00:36:31	01:14:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि			मीन	07:39:17	00:07:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:29	00:00:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:29	00:00:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:32:11	00:01:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:51:58	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:20:37	00:01:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:43:24	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

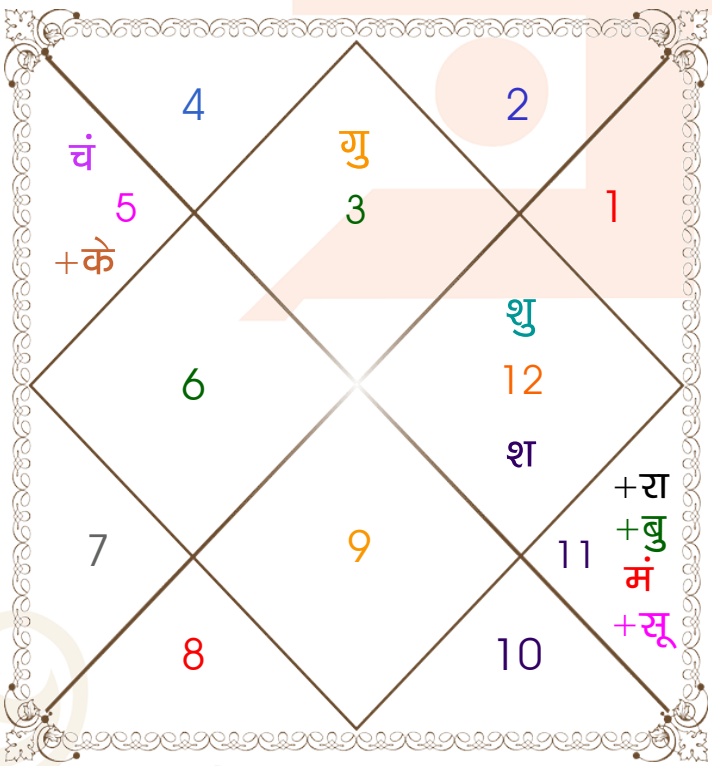

चन्द्र कुंडली

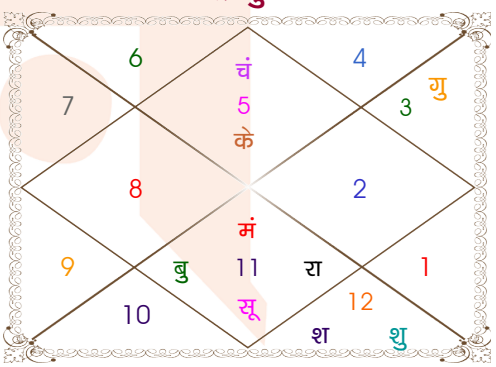

नवमांश कुंडली

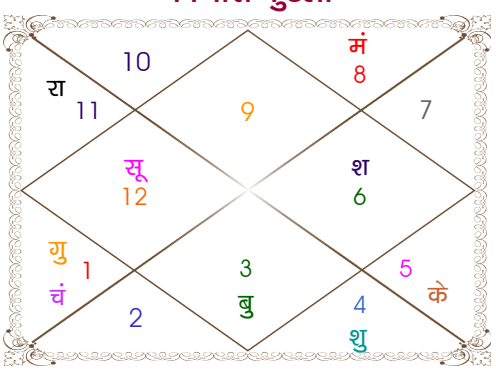

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 6 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/03/2026		26/09/2031		26/09/2051		25/09/2057		26/09/2067	
26/09/2031		26/09/2051		25/09/2057		26/09/2067		25/09/2074	
	02/03/2026	शुक्र	25/01/2035	सूर्य	13/01/2052	चंद्र	26/07/2058	मंगल	22/02/2068
शुक्र	23/04/2026	सूर्य	25/01/2036	चंद्र	14/07/2052	मंगल	24/02/2059	राहु	11/03/2069
सूर्य	29/08/2026	चंद्र	25/09/2037	मंगल	19/11/2052	राहु	25/08/2060	गुरु	15/02/2070
चंद्र	30/03/2027	मंगल	25/11/2038	राहु	13/10/2053	गुरु	25/12/2061	शनि	27/03/2071
मंगल	26/08/2027	राहु	25/11/2041	गुरु	02/08/2054	शनि	27/07/2063	बुध	23/03/2072
राहु	13/09/2028	गुरु	26/07/2044	शनि	15/07/2055	बुध	25/12/2064	केतु	19/08/2072
गुरु	20/08/2029	शनि	26/09/2047	बुध	20/05/2056	केतु	26/07/2065	शुक्र	19/10/2073
शनि	28/09/2030	बुध	26/07/2050	केतु	25/09/2056	शुक्र	27/03/2067	सूर्य	24/02/2074
बुध	26/09/2031	केतु	26/09/2051	शुक्र	25/09/2057	सूर्य	26/09/2067	चंद्र	25/09/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/09/2074		25/09/2092		26/09/2108		27/09/2127		26/09/2144	
25/09/2092		26/09/2108		27/09/2127		26/09/2144		00/00/0000	
राहु	07/06/2077	गुरु	13/11/2094	शनि	30/09/2111	बुध	22/02/2130	केतु	22/02/2145
गुरु	01/11/2079	शनि	26/05/2097	बुध	09/06/2114	केतु	19/02/2131	शुक्र	03/03/2146
शनि	07/09/2082	बुध	01/09/2099	केतु	19/07/2115	शुक्र	20/12/2133		00/00/0000
बुध	26/03/2085	केतु	08/08/2100	शुक्र	17/09/2118	सूर्य	27/10/2134		00/00/0000
केतु	14/04/2086	शुक्र	09/04/2103	सूर्य	30/08/2119	चंद्र	27/03/2136		00/00/0000
शुक्र	14/04/2089	सूर्य	26/01/2104	चंद्र	30/03/2121	मंगल	24/03/2137		00/00/0000
सूर्य	08/03/2090	चंद्र	27/05/2105	मंगल	09/05/2122	राहु	12/10/2139		00/00/0000
चंद्र	07/09/2091	मंगल	03/05/2106	राहु	15/03/2125	गुरु	17/01/2142		00/00/0000
मंगल	25/09/2092	राहु	26/09/2108	गुरु	27/09/2127	शनि	26/09/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।